Title: Requests the Central Government to give the status of Central University to Allahabad University.

श्री शैलेन्द्र कुमार :पूर्व में प्रदेश की राजधानी इलाहाबाद थी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। तत्कालीन लैफ्टिनेन्ट गवर्नर, उत्तर प्रदेश, सर एल्फ्रेड कामिन्स लायल ने यह स्थापित किया था। वह इस विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति नियुक्त किये गये थे। २३ सितम्बर १९८७ को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लिए केन्द्रीय अधिनियम पारित हुआ। इस विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त छात्रों ने देश में शिक्षा, राजनीति और सामाजिक जीवन के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उक्त विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वालों में सर्व श्री मदन मोहन मालवीय, मोतीलाल नेहरू, पुरुषोत्तम दास टंडन, डा. राजेन्द्र प्रसाद, आचार्य नरेन्द्र देव, शहीद पद्मधर सिंह, पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, सूर्य बहादुर थापा, गोविंद वल्ल्भ पंत तथा और कई बड़े नेताओं ने अध्ययन किया है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Shailendra Kumar, you are not allowed to read everything in the `Zero Hour'.

... (Interruptions)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मेरा माननीय प्रधान मंत्री जी और मानव संसाधन विकास मंत्री जी से निवेदन है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए। संसदीय कार्य मंत्री माननीय मदन लाल खुराना जी तथा मानव संसाधन विकास मंत्री जी वहां अध्यापन कार्य कर चुके हैं। मेरी सरकार से पुरजोर मांग है कि इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए। मैं चाहूंगा कि माननीय मंत्री श्री मदन लाल खुराना जी इस पर जवाब दें। अध्यक्ष महोदय, आप जवाब दिलवा दीजिए, ये इलाहाबाद विश्वविद्यालय में रह चुके हैं।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया): खुराना जी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बारे में आप कोई वक्तव्य दें।

... (व्यवधान)

">

संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री मदन लाल खुराना): अध्यक्ष जी, मेरा सौभाग्य है कि मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय सरकार के अधीन किया जाए या केन्द्रीय विश्वविद्यालय माना जाए, इस पर मानव संसाधन विकास मंत्री जी विचार कर रहे हैं, मेरी उनसे जो बातचीत हुई थी, मुझे उनकी बातचीत से यह आभास हुआ।

श्री शैलेन्द्र कुमार :इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

... (व्यवधान)

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (PANSKURA): Sir, when is the Government going to introduce the Constitution (84th Amendment) Bill in the House?..(Interruptions)

MR. SPEAKER: Prof. Premajam.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shrimati Geeta Mukherjee, please your seat. I have called Prof. Premajam to speak.

श्री लालू प्रसाद :अध्यक्ष जी, शून्यकाल के इस विषय को रिकार्ड में ले लिया जाए

... (व्यवधान)

साहिब सिंह को बर्खास्त किया जाए

... (व्यवधान)

उनकी जगह पर खुराना जी को वहां बैठाया जाए, पूरा हाउस इससे सहमत है। खुराना जी जब तक वहां थे, दिल्ली ठीक चल रही थी

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लालू जी, जूनियर मैम्बर्स को देखना भी जरूरी है।

There is frustration among the junior Members also. You please understand it.

श्री लालू प्रसाद :अध्यक्ष जी, मेरी प्रार्थना है कि इस लैटर को टेबल पर रखवा दिया जाए

... (व्यवधान)